विभागीय कर्मियों ने ही किया वन विभाग की भूमि पर बेजा कब्जा

वन विभाग आवास कालोनी, सरगीपाल और लालबाग में बने हैं दो मंजिला निजी मकान

जगदलपुर 16 नवंबर (सन्यूस)। महारानी वार्ड में स्थित वन विभाग के केवरामुंडा आरा मिल परिसर में स्थित शासकीय आवास के बगल में वन विभाग के लेखापाल ने अपना मकान खड़ा करना शुरू कर दिया है। इसकी शिकायत मिलते ही गुरूवार की सुबह वन अमले ने मौके पर पहुंचकर नाप जोख किया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार वन विद्यालय में कार्यरत लेखापाल ने इस परिसर में करीब पांच साल से रहते हुए अपने शासकीय आवास के बगल में कुछ दिन पहले मकान बनाने के लिए कालम खड़ा किया है। बताया गया है कि लेखापाल का पैतृक निवास नगर सीमा से लगे ग्राम सरगीपाल में स्थित होने के बावजूद शासकीय आवास आबंटित किया गया है जबकि यह नियम विरूद्ध है। इस आबंटन पर किसी ने कोई आपत्ति भी दर्ज नहीं कराई है। इसकी शिकायत मिलने पर सीसीएफ बीपी नोनहारे ने तुरंत कार्यवाही करते हुए अफसरों को गुरूवार को जांच के लिए मौके पर भेजा। अधिकारी ने निर्माणाधीन भवन की नाप जोख किया।

इसी तरह अजाक थाना के पास स्थित वन विभाग के सरकारी आवास के पीछे भी अवैध तरीके से कब्जा कर निजी आवास बनाये जाने का मामला उजागर हुआ है। ऐसी भी जानकारी मिली है कि कुछ वन कर्मियों ने इन्हें किराये पर दे दिया है। इसी तरह शहर में भी वन विभाग की जमीन पर बेजा कब्जा होने की बात सामने आ रही है। वन विभाग की लापरवाही से इन कब्जाधारियों के विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं हो पा रही है। आरोप है कि कुछ अधिकारी भी इस अवैध अतिक्रमण में संलिप्त हैं।

कार्यवाही होगी-सीसीएफ

जगदलपुर वृत्त के सीसीएफ बीपी नोनहारे से जब इस संबंध में चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि महारानी वार्ड के गैस गोदाम के पीछे स्थित वन विभाग की भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत मिली है इस पर कार्यवाही भी की जा रही है।

धान खरीदी शुरू होने के पखवाडे भर बाद भी 46 उपार्जन केंद्रो में छाई है विरानी

जगदलपुर 16 नवम्बर (सन्यूस)। जिले के 59 केंद्रों में 1 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू हो गया है। सोसायटियों में पखवाडे भर बाद भी 46 उपार्जन केंद्रो में विरानी छाई है। केंद्र प्रभारी किसानों के आने का इंतजार कर रहे हैं। सभी केद्रो में बारदाने पहले पहुंचा दिया गया था। पहले दिन जिले के एक भी खरीदी केंद्र पर धान नहीं पहुंचने से बोहनी नहीं हुआ था। 16 दिन बाद मात्र 13 केंद्र में 3 हजार 708 क्विंटल धान खरीदी हुई हैं। बस्तर जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी करने के लिए 59 उपार्जन केंद्र बनाया गया है। केंद्र प्रभारी किसानों का इंतजार कर रहे हैं। इस साल बस्तर जिले में 1 दाख 10 हजार मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया है। बस्तर में इस वर्ष 48 हजार हेक्टेयर से अधिक का पंजीयन किसानों ने कराया है। एक हजार हेक्टेयर रकबा के साथ धान बेचने वाले किसानो की संख्या भी लगभग एक हजार बढ़ गयाहै। 2 नवम्बर को लोहांडीगुडा में 157 क्विंटल धान खरीदी करने के साथ जिले में बोहनी हुआ था। 16 दिन बाद भी मात्र 13 केंद्रों पर 3 हजार 708 क्विंटल धान खरीदी हुई हैं। अभी भी कुछ दिनों तक अधिकांश केंद्रो में विरानी छाए रहने की बात कही जा रही है। किसानों के अनुसार बस्तर में धान कटाई अभी शुरू हुआ है। मिंजाई करने के लिए समय लगेगा।

श्री जगन्नाथ मंदिर में 20 नवम्बर को होगा तुलसी विवाह

जगदलपुर, 16 नवम्बर (सन्यूस)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 360 घर आरण्यक ब्राम्हण समाज अपनी 609 वर्ष पुरानी परम्परा को अनवरत जारी रखते हुए 20 नवम्बर को जगन्नाथ मंदिर परिसर में भगवान श्री विष्णु एवं तुलसी के शुभ विवाह का वृहद आयोजन मुख्य प्रबंधकारिणी के दिशानिर्देशन में युवा समिति द्वारा किया जाएगा। 360 घर आरण्यक ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष हेमंत पांडे ने बताया कि पंचाग तथा मान्यताओं के अनुसार देवउठनी एकादशी पश्चात विवाह आदि शुभ कार्य प्रारंभ किए जाते हैं। अतः समस्त परिवारों में शुभ कार्यो के सम्पन्नता की कामना के लिए तुलसी विवाह का आयोजन कल्याणकारी माना गया है। जारी कार्यक्रम अनुसार श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर में 20 नवम्बर 2018 को प्रातः 11 बजे मातृका पूजन, दोपहर एक बजे मंडपाच्छादन एवं हरिद्रालेपन, सायं 5.30 बजे भगवान का बारात प्रस्थान तथा गोधुली बेला में वैदिक मंत्रों की ध्वनि के मध्य पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न किए जाएंगे। इसके पश्चात रात्रि 8 बजे से भोग प्रसाद वितरण किया जाएगा। 360 घर आरण्यक ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष हेमंत पांडे ने 20 नवम्बर 2018 को आयोजित तुलसी विवाह कार्यक्रम में समस्त धर्मपरायण श्रद्धालुओं को सपरिवार सम्मिलित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

8 दिसम्बर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन

◆ तैयारियों को लेकर जिला न्यायालय सभाकक्ष में हुई बैठक

जगदलपुर, 16 नवंबर (सन्यूस)। आगामी 8 दिसम्बर को आयोजित होने वाले नेशनल लोक अदालत की तैयारी को लेकर जिला न्यायधीश एवं अध्यक्ष एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अरविंद कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में 15 नवम्बर को जिला न्यायलय भवन के प्रथम तल पर स्थित सभाकक्ष में प्रमुख बीमा कंपनियों के अधिकारियों एवं उनके अधिकृत अधिवक्ता एवं मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों के अधिवक्ताओं के बीच बैठक आयोजित की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 8 दिसम्बर को आयोजित हो रही नेशनल लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों तथा इश्योरेंस के दावा प्रकरणों में उभय प्रक्षकारों के बीच के विवाद को राजीनामा एवं सुलह के आधार पर निराकृत किये जाने तथा उक्त प्रकरणों को पक्षकारों के आपसी सहमति से चिन्हांकित कर रखे जाने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में न्यायाधीश श्री वर्मा ने नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए सहयोग की अपील करते हुए अधिकाधिक प्रकरणों के निराकरण कर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किये जाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में जिला एवं सत्र न्यायलय के सभी न्यायधीश गण एवं बीमा कंपनी के शाखा प्रबंधकों के साथ अधिवक्तागण उपस्थित थे।

कांग्रेस प्रत्याशी ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को आवेदन देकर मांगी बूथवार जानकारी

जगदलपुर 16 नवम्बर (सन्यूस)। विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी रेखचंद जैन ने 16 नवम्बर को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (रायपुर) को जिला निर्वाचन अधिकारी से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया है। आवेदन प्रस्तुत करने जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजीव शर्मा भी उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को दिए आवेदन में विगत 12 नवम्बर को जगदलपुर विधानसभा क्र. 86 में हुए मतदान केन्द्रों की बूथवार जानकारी चाही गयी है। जिला निर्वाचन अधिकारी पर आरोप लगाते हुए लिखा गया है कि उनके द्वारा आज पर्यंत बूथवार प्रतिशत जारी नहीं किया गया है, साथ ही प्रत्याशियों को भी इसकी जानकारी नहीं दी गयी है। आवेदन देकर जानकारी दिलाने की मांग की गयी है।

आज से निशुल्क योग विज्ञान शिविर

जगदलपुर, 16 नवम्बर (सन्यूस)। ठंड का समय प्रारंभ हो चुका है और यह सेहत बनाने का स्वर्णिम समय होता है ऐसे समय में योग ऋषि स्वामी रामदेव की अनन्य शिष्या साध्वी देव साधना व साध्वी देव पूनिया का आगमन जगदलपुर नगर में 17 नवंबर को प्रातः काल हो रहा है।आप योग आयुर्वेद वेद उपनिषद सहित मर्म चिकित्सा का गूढ़ ज्ञान रखती हैं जिनके पावन सानिध्य में नगर में स्थित कायस्थ समाज भवन लाल बाग के सामने 17 नवंबर से 21 नवम्बर तक पांच दिवसीय योग विज्ञान शिविर का निशुल्क आयोजन किया गया है। उक्त जानकारी देते हुए पंतजलि योग के प्रदेश प्रभारी डॉ. मनोज पाणिग्राही ने बताया कि योग आयुर्वेद के द्वारा विभिन्न बीमारियों का उपचार उपचार बताया जाएगा साथ साथ ध्यान साधना का भी अभ्यास सिखाया जाएगा। आप सभी योग प्रेमी भाई बहनों से विनम्र आग्रह है की सुंदर और सर को हाथ से जाने ना दें और शिविर में भाग ले अपना तन मन सुधारे इस संदेश को औरों तक भी प्रसारित करें। उन्होंने कहा कि योग शिविर निशुल्क है भाग लेने हेतु अपना नाम व्हाट्सएप संदेश से पंजीकृत करा सकते हैं।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में हो रहा बच्चों का टीकाकरण

जगदलपुर, 16 नवम्बर (सन्यूस)। शहरी क्षेत्र के आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों का टीकाकरण किया जा रहा है जिसके चलते माताएं अपने बच्चों को लेकर आंगनबाड़ी केन्द्र पहुंचकर टीका लगवा रही हैं।

नगर के अब्दुल कलाम, गुरूघासीदास, अनुकूलदेव वार्ड सहित अन्य वार्डों के आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों को खसरा और रूबेला का टीका लगाया जा रहा है। अब्दुल कलाम वार्ड की झोपड़ी पारा आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों को टीकाकरण की खबर लगते ही कई मातएं अपने बच्चों को लेकर टीका लगवाने पहुंची। इस कार्य में केन्द्र की कार्यकर्ता जूली यादव, ए.एन.एम., सहायिका ने सहयोग दिया।

सामान्य भविष्य निधि विसंगतियों के त्वरित निराकरण हेतु बैठक 28 नवम्बर को

जगदलपुर, 16 नवम्बर (सन्यूस)। महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा बस्तर जिले में वर्तमान में लंबित 18 हजार 897 अनपोस्ट क्रेडिट, अनपोस्ट डेबिट तथा सामान्य भविष्य निधि के लंबित प्रकरणों तथा सामान्य भविष्य निधि खाता में ऋणात्मक शेष एवं अन्य विसंगतियों के निराकरण हेतु बस्तर कलेक्टर डॉ. अय्याज तंबोली के निर्देशानुसार आगामी 28 नवम्बर को प्रातः 10.30 बजे से कलेक्टोरेट के आस्था हॉल में वरिष्ठ कोषालय अधिकारी जगदलपुर धीरज नशीने की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी है।

आयोजित बैठक में जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को अपने तकनीकि सहायक या डाटा एन्ट्री आपरेटर के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। साथ ही निर्देशित किया गया है कि अपने कार्यालय से संबंधित सामान्य भविष्य निधि से संबंधित वर्तमान में लंबित प्रकरणो को तैयार कर 15 दिवस के अंदर जिला कोषालय जगदलपुर में प्रस्तुत किया जाए। उक्त निर्देश की अवहेलना होने पर संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारी का आगामी माह का वेतन देयक भुगतान हेतु कोषालय में स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिसकी जवाबदेही संबंधित आहरण, संवितरण अधिकारियों की होगी।

देवउठनी एकादशी के दिन हुई थी 14 रत्नों की प्राप्ति

◆ छोटी दीवाली यानि 19 नवंबर से होंगे सभी शुभ कार्य शुरू

जगदलपुर, 16 नवंबर। छत्तीसगढ़ में देवउठनी एकादशी पर्व का महत्व दीपावली से कम नहीं होता। इस पर्व को मनाने की विधि भी दीवाली जैसी ही होती है। इसलिए इस त्यौहार को छोटी दिवाली भी कहा जाता है। इसे प्रबोधिनी एकादशी और जेठानी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। इसी दिन क्षीरसागर में समुद्र मंथन के दौरान समस्त विश्व में पाए जाने वाले चौदह अनमोल रत्नों की प्राप्ति भी हुई थी, ऐसा पुराणों में वर्णन मिलता है।

देवशयनी - देवों की निद्रावस्था एकादशी से भगवान छह महीने शयन शैय्या में रहते हैं, जिसके कारण कोई भी शुभ कार्य इस अवस्था में नहीं होते। भगवान के देवउठनी एकादशी के दिन जागने के बाद इस दिन से सभी शुभ कार्य किए जाते हैं। शास्त्रानुसार एक बार राजा जालंधर की पत्नी की भगवान विष्णु ने परीक्षा ली। राजा राक्षसी प्रवृत्ति का था, लेकिन उसकी पत्नि पतिव्रता थी। भगवान विष्णु राजा जालंधर का रूप धरकर उसकी पत्नी के पास गए। वह भगवान को नहीं पहचान पाई और उसका सतीत्व भंग हो गया। वास्तविकता पता चलने पर रानी ने भगवान विष्णु को श्राप दिया, जिससे वह पत्थर बन गए।

विष्णुजी को श्राप से मुक्ति के लिए तुलसी के साथ अगले जन्म में विवाह करने का वरदान मिला। अतः देवउठनी एकदशी के दिन माता तुलसी का विवाह भगवान विष्णु के साथ होने के कारण इस दिन को तुलसी विवाह के नाम से भी जाना जाता है। शाम होने के पहले घर-आंगन की लिपाई कर चौंक रंगोली बनाया जाता है। तुलसी चौरा के सामने भगवान विष्णु की मूर्ति रखकर गन्ने का मंडप बनाया जाता है और डेहरी घर की चौखट के चारो ओर दीप जलाकर अमरूद, कांदा, बेर, चनाभाजी, सिंघाड़ा और नारियल आदि फल रखकर धूप-दीप जलाकर तुलसी विवाह संपन्न कराया जाता है।

वैसे माह में दो बार एकादशी आती है- अमावस्या एवं पूर्णिमा। दोनों ही एकादशी को पुण्य माना गया है। वर्ष में किसी भी एकादशी से प्रारंभ कर एक वर्ष व्रत रखने की परंपरा है। इस पर्व के साथ ही मेला-मड़ई का उल्लास भी शुरू हो जाता है, जो फागुन मास तक चलता है।

खेत में मिली किसान की जली हुई लाश

कोंडागांव, 16 नवंबर (सन्यूस) । विकास खण्ड माकड़ी के उड़ीदगांव डुरकीपारा में मंगऊराम उसेडी की गांव से 2 किमी दूर खेत पर जली हुई लाश मिली है। 11 नवंबर तड़के 4 बजे जल कर मंगऊराम की मौत होने की जानकारी मिली है। बताया जाता है कि मंगऊराम अपने धान की रखवाली के लिए खेत में लाड़ी बना कर रहता था। सुबह जब मंगऊराम की पोती खेत पहुंची तब खेत में जली लाश देखी और घरवालों को सूचना दी। पुलिस थाना माकड़ी मामले की विवेचना कर रही है अभी तक मौत और जलने के विषय पर ठोस जानकारी नहीं मिली है।